● **देखो, बताओ और कृति करो :**

१. स्वाद की पाठशाला

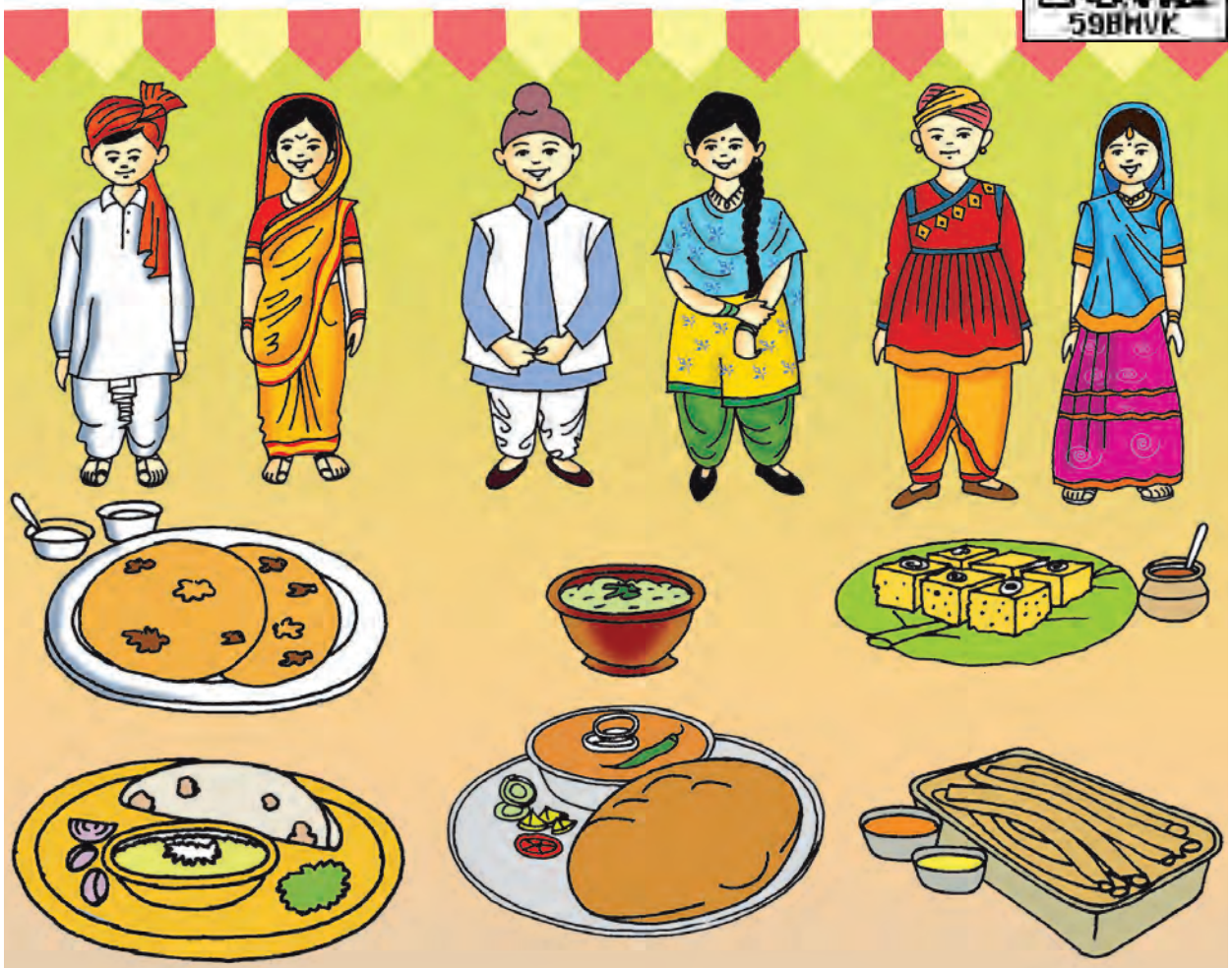

'पुरण पोळी', 'पिठले भाकर',
आओ बच्चो, देखो खाकर ।

सरसों का साग, मक्के की रोटी,
छोले–भटूरे चखो तंदूरी मोटी ।

उंधियो–खाखरा, खमण–ढोकला,
दाल–ढोकली संग खाओ रोटला ।

❑ विद्यार्थियों से चित्रों का निरीक्षण कराएँ । भारत के विभिन्न राज्यों के नाम और उनके विशेष खाद्य पदार्थों के बारे में चर्चा करें। व्यंजनों के संबंध में विद्यार्थियों की पसंद/नापसंद की जानकारी लें । विभिन्न खाद्य पदार्थों के स्वाद के बारे में प्रश्न पूछें ।

पहली इकाई

मालपुआ, खाजा, पूड़ी, कचौड़ी,
प्रेम से खाओ गुझिया फिर रबड़ी ।

रसगुल्ले, संदेश का थाल
देख के याद आया बंगाल ।

इडली–साँभर, मसाला डोसा,
उत्तम स्वाद का पूर्ण भरोसा ।

❑ चित्र में आए वाक्यों का वाचन कराएँ । मीठे, नमकीन और तीखे खाद्य पदार्थों की अलग–अलग सूची बनवाएँ । उनको स्वयं की पसंद के किसी एक खाद्य पदार्थ को बनाने की विधि की जानकारी प्राप्त करने के लिए कहें तथा विधिवत लिखने के लिए प्रेरित करें ।